हिंदी माध्यम से एम.बी.ए. में बढे रोजगार के अवसर
वर्धा में होगा ट्रेड फेअर का आयोजन

वर्धा, 14 मई 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रबंधन विद्यापीठ की ओर से ट्रेड फेअर आयोजित करने की योजना है। एम.बी. ए. के विद्यार्थियों के शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के लिए 2017 के जनवरी तथा फरवरी माह में प्लेसमेंट सप्ताह आयोजित करने की योजना है | इस प्लेसमेंट सप्ताह में अनेक विश्व प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्थाओं को वर्धा में आमंत्रित किया जाएगा। उक्त जानकारी विवि के प्रबंधन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दी।

एम.बी. ए. छात्रों की बढ़ती मांग को लेकर उनका कहना था कि विश्व पटल पर भारत एक सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बना रहा है | वह एक आकर्षक और विकासशील बाजार के रूप में भी उभर रहा है | सभी देशों तथा व्यवसायियों की नज़र भारत की ओर है जहाँ व्यापार की असीम संभावनाएं हैं | इसकी एक विशिष्टता यह भी है कि भारत एक युवा जनसंख्या वाला देश है जो सम्पूर्ण विश्व की व्यापारिक गतिविधियों के सन्दर्भ में आधार स्तम्भ की भूमिका निभा सकती है | भारत की राजभाषा तो हिंदी है ही, बहुत बड़ी आबादी के दैनंदिन व्यवहार की भी भाषा है तथा ऐसे समूचे समुदाय की व्यावसायिक गतिविधियाँ इसी भाषा में होती है |

प्रबंधन विभाग के सहायक प्रोफेसर मनोज चौधरी ने बताया कि ऐसा प्रायः अनुभव किया जाता है कि कम्पनियों में काम करने वाले प्रबंधक अक्सर हिंदी भाषा में सहज नहीं होते | दूसरी ओर जमीनी स्तर के प्रबंधक तथा गैर प्रबंधकीय कर्मचारी प्रायः हिंदी भाषी ही होते है | भाषा में अंतर की वजह से प्रबंधक इन कर्मचारियों एवं सामान्य उपभोक्ताओं से अच्छी तरह जुड नहीं पाते | प्रबंधकों की हिंदी भाषा में सहजता न होने से कंपनियों को कभी-कभी भारी नुकसान भी उठाना पड़ जाता है | ग्राहकों की विस्तृत आबादी के साथ जुड़ने के दृष्टिकोण से हिंदी भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण संपर्क भाषा है | आज के बदलते परिवेश में व्यापार केवल एक संस्था या क्रय-विक्रय तक ही सीमित नहीं है बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक व्यवहार के रूप में भी देखा जा रहा है तथा इस

दृष्टिकोण से कम्पनियों की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत समाज से जुड़ने में हिंदी एक सशक्त माध्यम है।

साथ ही कुछ ऐसे छात्र भी हैं जिनकी प्रारंभिक शिक्षा हिंदी माध्यम में होती है तथा जब वो एम. बी. ए. करते हैं तो वे सहज महसूस नहीं करते क्योंकि प्रायः हर जगह एम. बी. ए. अंग्रेजी माध्यम में ही होता है | ऐसी परिस्थिति में उनकी स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा बड़ी मुश्किल से ही पूरी हो पाती है नहीं तो वे बीच में ही इसे छोड़ देते हैं | ऐसे छात्र अपने आप को किसी भी लायक न समझ कर मानसिक तनाव में आ जाते हैं |

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, ऐसे छात्रों के लिए एक सुनहरा मौका लेकर आया है कि वे अपनी एम.बी.ए. की पढाई हिंदी माध्यम में पूरी कर सकते हैं | हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर छात्र अच्छी नौकरी पा सकते हैं | साथ ही ऐसे छात्र जो भारतीय बाजारों में सर्वाधिक व्यवहार में आने वाली भाषा हिंदी में निपुण होना चाहते हैं वे भी हिंदी माध्यम में एम.बी.ए. कर नयी उचाईयों तक पहुंच सकते हैं | इस पाठ्यक्रम में व्यवसाय के सभी महत्वपूर्ण कौशलों और क्षमताओं को विकसित करने के अवसर उपलब्ध हैं |

वर्तमान में एमबीए प्रथम बैच (2015-17) की छात्र - छात्राएं बीएसएनएल, बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, उबर कैब्स, एक्सिस बैंक, बिरला सन लाइफ तथा अन्य संस्थाओं में अपना ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं |